

॥ क ॥ ॥ सागा आ
 ॥ वि ॥ ॥ न ॥ ॥ त ॥ ॥ ग ॥
 ॥ न ॥ ॥ सा ॥ ॥ य ॥ ॥
 ॥ न ॥ ॥ क ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ न ॥ ॥ सा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ न ॥ ॥ सा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ न ॥ ॥ सा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ न ॥ ॥ सा ॥ ॥ ॥ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
तादृक्ता ॥ २ ॥ मन्त्रवद्वागध्यात्रिणि ॥ कण्डिकाया लहसा वि ॥ य
नदा रायं वि ता ॥ नवममव ता दवि ॥ द्विविचर्म धना सुरा
मन्त्रमाला धात्रा धादि ॥ दण्डालकन स य के ॥ अविह नग
सदापिय ॥ समरु मस अ ॥ का ग ॥ प्रामक ध प्र कि पु ति ॥ ३ ॥
ता ल ता क था ॥ य त्रि वा ग ॥ अत्रा द सा ॥ ४ ॥ काम के म का दण
कुम्भ ॥ दृ द वा सि नी ॥ वि ॥ ५ ॥ न स सु नि ॥ च म ॥ धी मं ऊ
नामा ॥ जा क रा द हा ॥ अ क कौ ॥ ति सम पु रा न मा स्ता ॥ ६ ॥

महात्रयी महाद वि ॥ मीरा ॥ ल सुन्दरी ॥ वे इ य या इका
रुद्रा ॥ सिहा स न सि ता सुधी व न ॥ रुद्रा वि ॥ म ल द ॥ रवर्ग ॥
क धा त्रि नि ॥ या ॥ विन्द धना द वि ॥ हा ॥ के यु न ध ना धि ॥ न
रव वि ॥ स र्वी ॥ १ ॥ म वि वी र वि ता ॥ वि वि ॥ य य ल न क
व म्मा ग धा नु ल वि ता ॥ २ ॥ प्र क या वि ना द वि ॥ स र्व स स व ला च
ला ॥ सि हि ग द र्व न मि ता ॥ वि द्या ध न स ग वि ता ॥ ३ ॥ द वा का ॥ न
ता द ॥ य द र्व क स या क रा ॥ ४ ॥ वि ॥ स्ना ना म रु ल क
न म्मा स्ता ॥ ५ ॥ अ क वि वि स्ता ता द वि ॥ अ क स्य ॥ ध नि वा सि

निष्कृताः लवसयुक्ः व्युत्पन्नाः कान्ध्यासुताः ॥ १० ॥ जननी
सर्वदत्ताः सर्वसत्त्वायकाः प्रजिः सर्वदा सर्वदा दविः ससा
प्रवासदुर्लभः च भवसर्वसत्त्वानाः च न यथागतं यिनीः च
मध्यः विष्टिः सहायः च भवसिः गिन्निः यिनीः च भवसर्वप्रवि
निः च भवविष्टिः यिनीः ॥ १० ॥ अथ महादेवः दयाद विमला
मिनाः ससुनिः साधिकाः ॥ ११ ॥ ससुयास्य विष्टिकाः ससुकाय
वृद्धीः कुः ॥ १२ ॥ दिव्याः अनुग्रहयिनीः दसदिग्दुर्मा लक्ष्मीः दुर्
वैवर्गदिस विष्टिः सकृत्पयाला ॥ १३ ॥ दुर्प्राप्तनमासुताः ॥ ३ ॥

नाथनाथमहानाः महानाः शास्त्राथसिन्नाथः मिनाथनमासुताः ॥
॥ १४ ॥ दुर्प्राप्ताथः कथाथः वदियनाथमहानाः धर्माथः हाः कथा
कनाथनमासुताः ॥ १५ ॥ प्रिनाथनवनाथः कथाप्रसनाथः मुक्तमः
सकः विष्टिः गियवासर्वाः सिष्टिः नमासुताः ॥ १६ ॥ सर्वपानाथसि
ष्टिः सकानकलट्टः यथागतसदाः अविजः गाः सर्वनमा
सुताः ॥ १७ ॥ ककालः द्विकालयाः प्रिकालयः ॥ १८ ॥ नगगाः मासु
याः नः प्रायः गिष्टिः ॥ १९ ॥ नृदमः नागयः ॥ २० ॥ कविः कुनिः नयमदि
नदवगाः नागयः कदवागनामः रवद्रुसुलः नागयद्रुयः ॥

मदः नासय प्रियुष्यकम् । नासय दग्नि धात्रानि । नासय दाजका धजः
नासय हि स हनथा यः नासय दरि शायकः नाशय प्राग दुष्वा
नासय सर्वे यायक ॥ ७ ॥ आम् आभ्य मे ष्ठयो धन धाम्न्यः वि
वदनः धर्म र्थ काम मुकुता ॥ यत्त सा रा ग्य मूढ मः स द्विसि
धायलकीः विद्या रूप न गुरा गुरु ॥ वृद्धिप्रपुण्य सुमित्रैः व
रुक्दिन दि न वा कौल मल त मस्याः उत्साहना सयः स हा सर्वस
वैरा क यस्य गतिः विद्या माय वन शा ॥ ४८ ति थायी थ स वदु
स्त समाप्त ॥ ॥ ॐ ॥ १ ॐ नमः ॥ शा कु क्षाय ॥ ॥ अर्जन

उवाचा। उम्हा गा जिथं दविः मद्रुहयाइ न्हं। यसां देवु दिनाः
नाथः कथं रुपाति माधवः॥ ॥ गिरगवानुवाच॥ किं तु ना
मसु रुषं नः विद्मः यत्तु यायिवः। गानिनामा निवह्ना निः। नमः
यार्थं पुम्युयात्॥ प्रथमं मद्रुहति। देव्याः द्विगिर्यं कं शवस्तथा॥
तृगिर्यययना रश्च॥ चतुर्थं वामनस्तथा॥ पंचमं दशवतुवः
षष्ठं मम धुसूदनः सप्तमं वाष्पद वश्च॥ अष्टमं वराह वः न
वाकं म॥ नवमं यशुलिकाकः दशमं वद्विवाकर्त॥ कुरुषु मका
दशनाम॥ इति दशगुणधरस्तथाः ॥ गानि विद्वा दशमा निः वि

[illegible][illegible]

ने कृत्तुसातामादि॥ थजगप्रमासाकायायडावादिप्रविन
नायनकेडाकृडडाप्रशयखमिसादिमिशुखकायमहा
ख॥ डाजगप्रमाज्वयनवक्षित्यवतःलनयवडथ। निसभाका
निशयथापुनिकात्रद्वयखद्वरुखाजगत्रः॥ माविवातसमाक
॥२॥ उँसस्कीश्रीगात्रयनमाठः नृजगप्रमासाकाकृतमरना
समागु॥३॥ ॥२॥ उँसस्कीः कृमायायाथानत्रिवाडाप्रदगिनह
सि॥ वस्यथात्रिसवात्रिसवाडधननयकसडाः२यडिवखा
नुगत्र२य। डिवखात्रिगत्रवाज्वयनयप्रमिप्रद॥ मित्र

सयूत्रायमिरासउप्रजादि॥ हामामगवगत्रजुगमजुग
धु॥ नमाप्रस्थादा॥ धात्र३सुत्रयुममकुत्रा॥ स्यानद्वयनका
खविसखजगागिगद्यालासुति॥ अत्रनुमानिस्याहाधात्र॥ त्रयनशि
सडात्रिसगिप्रकमवाक्यरुँवरुँवइन॥ ५२॥ यहात्रगिस्वयगस्य
कृठययुगमहागयुजस्यनसाहुमउग्रयादशरिजसगसयद्वे
विनेक॥ धिसखा महासत्र॥ गनथलमनसमयनप्रायुस्थानमारा
यावथवृणगमयगिदयः१वस्ययाधुगयकस्यन्यमयराग
वानाजाजगृहममनुयगस्ययकविगाभाननुकमानिमनु

[illegible]

हा॥ कामाक्षिः वँ वाँ वँ वँ : सक्रियसिताय स्वाहा॥ विष्णु
नमो स्वाहा॥ नयात्रा हि उँ नम नु से नवस्वाहा॥ हँ नून्दा येनि
त्रिकायु द्या हँ सँ जँ मँ लँ वँ गँ स्वाहा॥ ॥ हँ दुँ डँ डँ डँ डँ
पुन्दा यता यातु धी स्वाहा॥ ॥ हँ माँ माँ माँ महानबु मिद
सक्रियतायः संघालरं रँ वँ सँ हाँ माँ ताँ दिँ स्वाहा॥ ॥ ॐ न
शी कुजिकायेः विद्मुन्दा अलनिदवाः सर्यय ग प्रमा ग
हँ सुना नवभागा हँ : मुगता कामकृ विनिप्ररायः नायाधिष
मान निरथा गा निव निद विः म तिरुगति सर्वे ता का नन॥

१. ॥ अथ नाना इत्यादि स्वगृह कलह क्रैः अथ हानिः दिसु न
॥ अथ पागव मास ध्यासः सवु लाग विवादः अथ स्व दि ह वः ॥
सनः दस्य वया दाः वारि चालयु दः सगमन आयु लो गाः ॥
अथ का न या स ॥ न वा व ध निः मृ प न ना ग भ र्यः सर्व स ग र वि
ह निः द व नि द्रा स ज पा ग मः स्व न स्य द ग ॥ ॥ नु वा वि वृ वि षु वि
य द ह न क न य का कि क स वृ मा हि नि ह मि उ ह जा यः ग ह ज्ञा
व ला द व वा कि निः सा द वि म म न ह न ह म य मा गि कार म

॥ अथ न न रं वा नि २ का क र व र व क ळ ग या द का ॥ ॥ २५ व डा न
का क उ ग हाः ज्ञ या मा ग हाः थ ग्वा स द ग मा हा का य नः मि स
याः ज प्र सः वि यः म चान ना व यु नः वः स थः दि वृ नः या डाः
अ द स मा नः आ वा वृ यः अ ह स्यः धा द याः न नान म वा वृ यिः ॥
द यः सः मि स या ज प्र सः वि स्यः न कानः म वा वृ न व ॥ व हाः
॥ ज्ञ या मा ग या हाः थ गि ताः सः दू ग या हाः का या नः न स्यः ज
॥ ॥ अथ ३५ ॥ आ वा न नान वृ य नः वः वि दः वि यः न य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
विष्णुश्चैव दत्तुं शक्नुते ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कर्मण्येवाङ्गिरस ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

जमन लं बववेंदा यानि सिहादाया। व्यदा दयया लदा कृत्वा
न कृदि वा ७२ किनाग व विन यजन स्था

हा दा यन सा प्रिया यमान ॥०

वृक्षां यन

यात्र ७२ कि नावा

三

इ हि न व न ३३

नामदाहाल

सिमा

ॐ सुखा

कलक र्हा

गयत्र

प्राजिष्ठा न स्यात्

आ



गर्भस

अग

याकुथासुतासाहि
 वधीयः कुनैरुतासा
 मरिनधीयः वृताउ
 सासतनागयाइख
 नधीयः उताधुता
 सससाककुलिनधा
 धीयः सुययययाकुथा
 तासाताउमानदकु

माह ७२

मितागयुता
 प्राजिप्रात्रला
 गा गयत्रयुता



कीमात्रियुता
 रुगिनि युता
 अतकुतागक्र
 युताहायासलि
 विरुयाकुथासु
 तसा मरिंधाय

१७ तमथमायय धु सनदायकलनि ॥ प्राग ७२ लाददि सु कटिक
 न सुला यताहि वा हिता विरि प्राग ॥ ८ ॥ युथातथा साखिताम
 पिज ॥ प्रायश्वदिन ॥ खवस मिखाध था ॥ द्र ७२ लविताक य
 व मुकि युत्रयप ॥ यययथ ॥ माहाकाल समसान कृष्ण वधिय
 जया ॥ कुमाहा ॥ सासावती प्राग ॥ यमक प्रागी प्राग ॥
 धादसु ॥ दवद्वान ॥ अग्नी दाद्या ॥ दलन ॥ कनु प्राग ॥ गदल

सु मि ७ वि नि र का धि प्रा ग ह द य व सि ख सु क थ प्रा ग इ
यु मा हा क ल र्का मालि वि ना य क र ता दा र वा भू यु दि स्य ग मन
भा ग क र व स ग उ क व म् इ वि क वा रा ह मा स भू सु द्र ७२ बु मा
सा रु मा धू द डा य त्रि का ग्व मा या र म वा र का म वा य वा न का वि
ग्रा प्र न भू ग्री मूर व क न वि द्य क प्रा ति द ति क र्मा भू म द्र अ म
व स रु मा स हा ग्न न दिन इ ना क गृ ह भू ग्न ला क ला य रु न म क

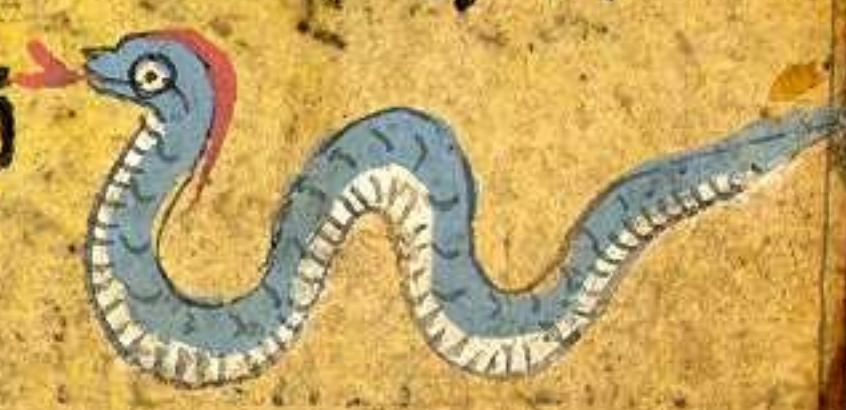
आ गत स गृ ह दा र व सि र वा ल स न य स सू वा य रु व त म यु म य म
वा क दू वा न वा कि रि य मि व द्रु प्र म व कि मि द व सा ति वि धि थ न
स य र्क र ग ग्व र ग र रु त स म द य क य जा धा नि स र वा न क र थ न
ह ति सि र वा न य ज भू ग्न क र क स रु जा क ता ५ य र यान रि
म स क क र १ जा न रु व त र वा न २ य ज ५ र वा न १ वू स इ इ क क ल १ जा न
स ग ता हा ग्न य ता य हा क मा त य १ हा य क स सा न म हा य क ता ५ वि धि
स ग रु जा क ता ५ ता ५ क ग्वा र्क क रि स ति य ५ स रि ता ना ग २ वू न ७ न ५ ता
य न न व १ ५ वा क ३ ति र क र स रि ता ५

पुर्वु ता जा हा का न
 वरु ति नी यु जा
 २७ न म सि हा य सि
 ह क आ ति प्रा ग ह त
 प्रा ग आ वा ग मूत्र
 य थ य धा प्रा ग
 या ग वृ जि स्वा द न

वि स य ति या कृ था स
 रू त सा धि य स य ति
 ति न सि स ह त सा रि म
 धा य य या इ र व धा
 य ॥ र कि मि या कृ
 धा र ह त सा र कि मि रि
 न धा म स र स ति ति
 न धा य

रि म ड व यु जा
 प्रा ग य आ
 उ त र द व यु जा

त
 क



म ड मा र्ग कि मि ७ स को मा रि नु प्रा ग र्ग पु प्रा ग धा म प्रा
 ग र क वि र्ग ड र्मा द थ क द यु व स र क या ग वि त प्रा ग दि स व र
 रू त सा ग र स द की न दि सा ग त प्रा ग मा हा का र का मा रि धा नि उ
 क र ति नि रि म ज न व दि का प्रा ग सू क द की न दि स स वा ता म धा
 वा कृ क म धा र स ग प्रा हा ड हा इ वि क इ ता म न न व व मा क
 पु ड व न दि त ७ प्रा य जा य यु दि त ७ प्रा य म रि उ स गृ ह वि सु
 द व ता स य वि न ना ग या ग यु ज ७ या र क र थ म कि या मा प्रा

दायन रिमराज श्री ह्या ठा पा दा मास आषाढ १५ वन अष्टव त्रि
स्वाति वि गृ ति श्री ६ क द सि धा रा म ध्या न गृ ह वृ द्ध दि सद दिन
पूरुष प्राणि सिंदन द कु ठा नू मा गा सि मा द प्रा ह म द प्रा ग म
नार मा ग्रा सन कं य ग व सा वा ल वि ता र व ९ व प्रा ग सा ति वि
वि पुर्व त स्म न स य ह द व ता का य वि कू वा मू दा मा हा क न
उरि ता य ज्ञ य ग सि रु स्य द व ता य र्व त मा हा न य दि क आ ग म द
व ता द दिन न दि स्य न प्रा ग ध रि रु मा इ ध न य उ व व द द आ म

मृदु धा ना हा ग स नान म वा क य ता म म वा वा स्या मू व सा ति वि
वि धा नि स स्वा न १ कु ज ध न क र क स र जा १ क ता १६ र व या न रु न सि
द्वि या ता क न १ जा कि १ जा कि न जा ना र व ता कु ज ध न रि म स्र ज्ञान
र व ता स्वा न २ आ ग म वृ ज्ञा रु ज्ञा १ क ता वि वि स ता र्था रु ति नि स य ज
१ क १ दान १ व स य १ क १ स्वा न १ वृ कि नी व या या र य स व म रु स्र म व
न व १ न व थ ता मू न १ दा स कि ता हा ति सि मा इ द व रु १ ग रु क ना ग
आ ग म रु ता वा न



शि मं द व यू ज्ञा अ ग्निय क्थ स रू त सा हि मि यू ज्ञ हा म २२
 सि मा प्रा गा त्ति वि मि क्थ स रू त वि मि म व क लं कः व या द ह
 म्मा क म्मान न द व इ धा यः क्थ स रू त क्थ स्वा म र म प्रा हि त
 न म स्या ना म वि इ धी ओः म न रू त्था ए ग द त म्म ज क्थ स
 हि प्रा स ह क्थ व व इ र व न धा यः त वि वि ज री य ज री य
 जू व क्ति म्मा द स मि मा क्थ स रू त सा त
 अ सा क्थ सः म्मा य त वि मि रि न धा य त
 म्मा य क्थ स म्मा य क्थ स रि न धा य त
 म्मा य क्थ स म्मा य क्थ स रि न धा य त



अ त स्या नः सि म्मा य वि क्थ वि हा त क्थ वि र्म थान रू त ना ग
 अ न ग ह स्या नः सि व मा द क्थ क्थ वि क्थ र्म थान रू त ना ग
 न ग ह स्या न रू त उ रू क ल मा र्ग रू ति नि यू ज्ञ प्रा म रू व दि न
 वि रि मा न क्थ रू वि वा य व न्ध य स ह र म्मा क्थ ना रू रू स्या न स
 ए रू न वि द्मा न क्थ प्रा ग्नि प्रा ग्नि त क्थ वि र्म क्थ क्थ ना य स क्थ
 वि क्थ यि ज न रू क्थ न स रू क्थ स रू त वि र्म व क्थ क्थ य्मा डी
 न मा द्वा रि स ग न स यि ज प्रा जि स क्थ द क्थ न स य य्मा म स

संमप्रननवडादवदिसधरसाकूतर्नअणनिदि सगातप्रगम
अवा निरुति निमहाकात्राकू सिद्धिगनसहनमप्रयुतावत
वत्यरुगनूक्षमासासहाउनत्रासिमिथूनतिथिवरुथिद्वदसि
धत्राजुर्द्वयक्षयजुतिसात्रद्यात्रदम्वधधत्राहातिसदनगात्र
सकत्रकासरवात्रसासातिविद्विशिमस्तुशवगास्वात्रसमसा
नसकत्रजानसगात्रमगायरागायातायहाकूकप्रथजान
वाकनसकूत्रथूनसागमाससातिकर्मर्थनअप्रथनपग

नसहजाकगागाथवृक्षा निहास्यवृत्रवत्रवगाप्रूनध
धकवाकजिउउसत्ररासमियससिमादवकप्रवान
वृवाकनाककनकफूवागात्रअप्रदिसमायूरवतिनदि
अयात्रवत्रिहिलनयुजावागयुजाधकधवात्रसिमकसरु
गगागावाकनसाकूत्रथूनसातिकनमयाप्रशत्रा
प्रविमनमूअअकरकरुना